नोट -

1. नवीन छात्रों की उच्चारण शुद्धि हेतु अमरकोष पढ़ाएँ (समयानुसार)।
2. वेदमन्त्रों की अक्षुण्ण परम्परा को बनाए रखने हेतु प्रत्येक छात्र का उच्चारण एवं स्वर शुद्ध हो इसका विशेष ध्यान रखते हुए छात्रों को उच्चारण स्थान इत्यादि से परिचित कराये।
3. नवीन छात्रों से उनका गोत्र, शाखा इत्यादि ज्ञात कर उसको स्वशाखाध्ययन कराने का प्रयत्न करें।
4. प्रत्येक वर्ष के पाठ्यक्रम का गुरुमुख से सम्पूर्ण अध्यापन एवं स्वाध्याय पूर्वक कण्ठस्थीकरण उसी वर्ष में पूर्ण करना अनिवार्य है।
5. छात्रों को परम्परागत सस्वर अध्ययन पद्धति से ही वेद अध्यापन कराना अनिवार्य है। जैसे -

   16 सन्था पद्धति

   अथवा

   10 पाठ

   10 वल्लि/दशावृत्ति/सन्था
6. प्रत्येक माह के अन्त में (पढाये गए विषयों की) मासिक परीक्षा कर छात्रों के कण्ठस्थीकरण, उच्चारण आदि की स्थिति का अवलोकन करें। यदि न्यूनता हो तो पूर्ण करें।
7. छात्रों की उच्चारण शुद्धि एवं ज्ञानवर्धन के लिए प्रतिदिन प्रातः एवं सायं सन्ध्या के पश्चात् विष्णुसहस्त्रनाम, महिषासुरमर्दिनी स्तोत्रम्, दक्षिणामूर्तिस्तोत्रम्, अन्नपूर्णास्तोत्रम्, भजगोविन्दम्, प्रज्ञाविवर्धनस्तोत्रम्, रामरक्षास्तोत्रम् इत्यादि स्तोत्रों का समयानुसार अभ्यास एवं पाठ करें, जिससे भारतीय परम्परा में श्रद्धा एवं उत्साह बना रहें।
8. गतवर्षों का पाठ्यक्रम छात्र को कण्ठस्थ है या नहीं ज्ञात करने हेतु परीक्षण (Assessment) किया जाएगा।
9. परीक्षक को विगत सभी वर्षों के पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछने का पूर्ण अधिकार होगा।
10. सस्वर वेदाध्ययन करने वालों की संख्या शनैः शनैः क्षीण हो रही है। अतः श्रद्धावान्, मेधावान् एवं दार्ढ्य बुद्धि वाले छात्रों की वेदाध्ययन में रुचि उत्पन्न करने हेतु आवश्यक प्रयत्न करना।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण प्रथमवर्ष (प्रथमा प्रथमवर्ष / कक्षा VI समकक्ष)					
(क) सन्ध्योपासनाविधि, समिदाधान , ब्रह्मयज्ञ। (ख) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता में आग्नेय पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 12 पर्यन्त मन्त्र संख्या 1 से 116 पर्यन्त) । (ग) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में अग्नेयपर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 01 से 12 पर्यन्त मन्त्र संख्या 1 से 182 पर्यन्त)।					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	सन्ध्योपासनाविधि	मन्त्र संख्या 1 से 10 पर्यन्त	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने प्राप्त पाठ को सन्था (दशावृत्ति) करना है। सन्था (दशावृत्ति) कृत् पाठों का नित्य अभ्यास - आवृत्ति करना है।
2	द्वितीय पक्ष	सन्ध्योपासनाविधि	मन्त्र संख्या 11 से 20 पर्यन्त	5	
3	तृतीय पक्ष	सन्ध्योपासनाविधि	मन्त्र संख्या 21 से सम्पूर्ण	5	
4	चतुर्थ पक्ष	अग्निकार्य (समिदाधानविधि)	मन्त्र संख्या 1 से सम्पूर्ण	5	
5	पञ्चम पक्ष	ब्रह्मयज्ञ	मन्त्र संख्या 1 से 15 पर्यन्त	5	
6	षष्ठ पक्ष	ब्रह्मयज्ञ	मन्त्र संख्या 16 से सम्पूर्ण	5	
7	सप्तम पक्ष	भोजनविधि एवं गोत्रोच्चारण विधि	सम्पूर्ण	5	
8	अष्टम पक्ष	यज्ञोपवीत पूजन एवं धारण विधि	सम्पूर्ण	5	
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड) (आग्नेयपर्व)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (प्रथम खण्ड) (आग्नेयपर्व)	19		

10	दशम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (द्वितीय खण्ड)	15		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	14	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने प्राप्त पाठ को सन्था (दशावृत्ति) करना है। सन्था (दशावृत्ति) कृत् पाठों का नित्य अभ्यास - आवृत्ति करना है।
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (तृतीय खण्ड)	21		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	22		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (पञ्चम खण्ड)	16		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (षष्ठ खण्ड)	10		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (सप्तम खण्ड)	16		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (अष्टम खण्ड)	9		
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (नवम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (नवम खण्ड)	13		

18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम खण्ड)	6	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (दशम खण्ड)	7		
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (एकादश खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (एकादश खण्ड)	18		
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वादश खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता (द्वादश खण्ड)	16		
नोट -कण्ठस्थीकरण उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की , 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 116 साम - 182	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण द्वितीयवर्ष (प्रथमा द्वितीयवर्ष / कक्षा VII समकक्ष)					
(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता - तद्व, बृहती पर्यन्त (खण्ड संख्या 1 से 20 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 117 से 314 पर्यन्त) (ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में - तद्व, बृहती पर्यन्त (खण्ड संख्या 1 से 20 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 183 से 534 पर्यन्त)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड)	23		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	22		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	20		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	15		
5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	30		
6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	24		

7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	12		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड)	9	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड)	11		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (नवम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (नवम खण्ड)	12		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (दशम खण्ड)	10		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (एकादश खण्ड)	9	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (एकादश खण्ड)	9		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वादश खण्ड) (तद्वसमाप्त)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वादश खण्ड) (तद्वसमाप्त)	12		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ बृहती)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ बृहती)	31		

14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	25		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	25		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	17		
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	16		
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	16		
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	11		
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड) (बृहती समाप्त)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड) (बृहती समाप्त)	11		
नोट -कण्ठस्थीकरण उच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक की , 100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 198 साम - 352	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण तृतीयवर्ष (प्रथमा तृतीयवर्ष / कक्षा VIII समकक्ष)					
(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता - असावी से पावमान सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 27 खण्ड) (मन्त्र संख्या 315 से 587 पर्यन्त) (ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता - असावी से एन्द्र पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 01 से 16 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 535 से 826 पर्यन्त)					
क्रमांक	**माह / पक्ष**	**पाठ्यक्रम बिन्दु**	**मन्त्र संख्या**	**अंक**	**अध्ययन-अध्यापन**
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड)	19		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	09	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	17		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	18		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	28		
5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	11		

6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड) (असावी समाप्तम्)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	13		
7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ ऐन्द्रपर्व)	11	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड)	24		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	21		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	10		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	21		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	28		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड)	8	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	15		

13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	18		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (अष्टम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड)	16		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (नवम खण्ड)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (नवम खण्ड)	17		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (दशम खण्ड) (ऐन्द्र समाप्त)	16		
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड) (अथ पावमानपर्व)	30	5	
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड)	36	5	
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड)	33	5	
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (दशम, एकादश खण्ड)	20	5	
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 273 साम - 292	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण चतुर्थवर्ष (पूर्वमध्यमा प्रथमवर्ष / कक्षा IX समकक्ष)

(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता - आरण्यक पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 01 से 06 खण्ड पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 588 से 645 पर्यन्त)
सामवेद उत्तरार्चिक संहिता - (खण्ड संख्या 1 से 40 पर्यन्त) (मन्त्र संख्या 1 से 532 पर्यन्त)
(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में - पावमान पर्व सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 11 पर्यन्त (मन्त्र संख्या 827 से 1224 पर्यन्त)
(ग) पुरुषसूक्त (यजुर्वेदीय) एवं श्रीसूक्त (ऋग्वेदीय)

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (प्रथम खण्ड)(अथ आरण्यक पर्व)	10	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (प्रथम खण्ड) (अथ पावमान पर्व)	69		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (द्वितीय खण्ड)	09	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (द्वितीय खण्ड)	19		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (तृतीय खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (तृतीय खण्ड)	16		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (चतुर्थ खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (चतुर्थ खण्ड)	20		

5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (पञ्चम खण्ड)	10	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (पञ्चम खण्ड)	76		
6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद पूर्वार्चिक संहिता (षष्ठ खण्ड) (आरण्यक समाप्त)	9	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (षष्ठ खण्ड)	35		
7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड) (अथ उत्तरार्चिक संहिता)	31	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (सप्तम खण्ड)	21		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ खण्ड)	33	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (अष्टम खण्ड)	33		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तम, अष्टम, नवम खण्ड)	36	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (नवम खण्ड)	35		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (दशम, एकादश, द्वादश खण्ड)	23	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (दशम खण्ड)	39		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्रयोदश, चतुर्दश, पञ्चदश खण्ड) (पवमान काण्ड समाप्त)	39	5	
		(ख) सामवेद प्रकृति गान संहिता (एकादश खण्ड)	35		

12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (षोडश, सप्तदश, अष्टादश खण्ड)	42	5	
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (ऊनविंशति, विंशति, एकविंशति खण्ड)	53	5	
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (द्वाविंशति, त्र्योविंशति, चतुर्विंशति खण्ड)	48	5	
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चविंशति, षडविंशति, सप्तविंशति खण्ड)	27	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (अष्टाविंशति, ऊनत्रिंशत्, त्रिंशत् खण्ड)	52	5	
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकत्रिंशत्, द्वात्रिंशत्, त्र्यस्त्रिंशत् खण्ड)	65	5	
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (चतुर्त्रिंशत्, पञ्चत्रिंशत्, षड् त्रिंशत् खण्ड)	42	5	
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तमत्रिंशत्, अष्टत्रिंशत् खण्ड) (ख) पुरुषसूक्त	16	5	
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (ऊनचत्वारिंशत्, चत्वारिंशत् खण्ड) (ख) श्रीसूक्त	25	5	
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् 58 + 532 साम 398	100 अंक	

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

सामवेद जैमिनीय शाखा पाठ्यक्रम

वेदभूषण पञ्चमवर्ष (पूर्वमध्यमा द्वितीयवर्ष / कक्षा X समकक्ष)

(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता - खण्ड 41 से खण्ड 90 पर्यन्त (मन्त्र संख्या 533 से 1062 पर्यन्त)
(ख) सामवेद प्रकृतिगान संहिता में - आरण्यगान सम्पूर्ण (खण्ड संख्या 1 से 24 खण्ड) (मन्त्र संख्या 1225 से 1516 पर्यन्त)
(ग) निघण्टु शब्दकोश 01 एवं 02 अध्याय सम्पूर्ण

क्रमांक	माह / पक्ष	पाठ्यक्रम बिन्दु	मन्त्र संख्या	अंक	अध्ययन-अध्यापन
1	प्रथम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकचत्वारिंशत्, द्विचत्वारिंशत् खण्डे)	20	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (प्रथम, द्वितीय खण्डे)	20		
2	द्वितीय पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्र्यस्त्वारिंशत्, चतुश्चत्वारिंशत् खण्डे)	20	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (तृतीय, चतुर्थ खण्डे)	21		
3	तृतीय पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चचत्वारिंशत्, षट्चत्वारिंशत् खण्डे)	16	5	
		(ख) सामवेद आरण्यगान संहिता (पञ्चम, षष्ठ खण्डे)	20		
4	चतुर्थ पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तचत्वारिंशत्, अष्टचत्वारिंशत् खण्डे)	28	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (सप्तम, अष्टम खण्डे)	20		
5	पञ्चम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकोनपञ्चाशत्, पञ्चाशत् खण्डे)	20	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (नवम खण्ड)	17		

6	षष्ठ पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकपञ्चाशत्, द्विपञ्चाशत् खण्डे)	20	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (दशम, एकादश खण्डे)	23		
7	सप्तम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्रिपञ्चाशत, चतुःपञ्चाशत खण्डे)	25	5	(आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (द्वादश, त्रयोदश खण्ड)	31		
8	अष्टम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चपञ्चाशत्, षड्पञ्चाशत् खण्डे)	36	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (चतुर्दश, पञ्चदश खण्ड)	23		
9	नवम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तपञ्चाशत्, अष्टपञ्चाशत् खण्ड)	30	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (षोडश, सप्तदश खण्ड)	24		
10	दशम पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (नवपञ्चाशत्, षष्ठी खण्ड)	20	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (अष्टादश, ऊनविंशति खण्ड)	21		
11	एकादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (एकषष्टि, द्विषष्टि, त्रिषष्टि खण्ड)	30	5	

		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (विंशतिखण्ड)	10		
12	द्वादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (चतुःषष्टि, पञ्चषष्टि, षट्षष्टि खण्ड)	27	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (एहेतुंशति खण्ड)	10		
13	त्रयोदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तषष्टि, अष्टषष्टि,एकोनसप्तति खण्ड)	30	5	
		(ख) सामवेद आरणयकगान संहिता (द्वाविंशति खण्ड)	10		
14	चतुर्दश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (सप्तति, एकसप्तति, द्विसप्तति खण्ड)	35	5	(सन्था योजना) प्रत्येक इकाई का 10 दिन में 10 पाठ पूरा होने पर 11 वे दिन से पुराने (प्राप्तपाठ) को सन्था (दशावृत्ति) करनी है। (आवृत्ति योजना) आर्चिक संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्र । गान संहिता में प्रतिदिन 100 मन्त्रों की आवृत्ति करनी है। अन्य विषयों में 100 मन्त्र/ श्लोक आवृत्ति करनी है।
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (त्रयोविंशति खण्ड)	19		
15	पञ्चदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (त्रिसप्तति, चतुःसप्तति, पञ्चसप्तति खण्ड)	30	5	
		(ख) सामवेद आरण्यकगान संहिता (चतुर्विंशति खण्ड) (आरण्यकगान समाप्त)	23		
16	षोडश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (षट्सप्तति, सप्तसप्तति, अष्टसप्तति खण्ड)	31	5	
17	सप्तदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तारार्चिक संहिता (एकोनाशीति, अशीति, एकाशीति खण्ड)	30	5	
		(ख) निघण्टु शब्दकोश 01 अध्याय श्लोक 1 से 20			
18	अष्टादश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (द्वाशीति, त्रयाशीति, चतुराशीति खण्ड)	30	5	

		(ख) निघण्टु शब्दकोश 01 अध्याय श्लोक 21 से सम्पूर्ण			
19	नवदश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (पञ्चाशीति, षदशीति, सप्ताशीति खण्ड)	25	5	
		(ख) निघण्टु शब्दकोश 02 अध्याय श्लोक 1 से 20 सम्पूर्ण			
20	विंश पक्ष	(क) सामवेद उत्तरार्चिक संहिता (अष्टाशीति, नवाशीति, नवति खण्ड)	27	5	
		(ख) निघण्टु शब्दकोश 02 अध्याय श्लोक 21 से सम्पूर्ण			
नोट -कण्ठस्थीकरणउच्चारण एवं स्वरसंचालन प्रत्येक , की100-100 अंकों की इस प्रकार 300 अंकों की परीक्षा होगी।			ऋक् - 530 साम - 292	100 अंक	